बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

मार्च, 2022

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची पेज नं.

(A)	अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों का भूकम्परोधी निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण	01
(B)	जीविका दीदियों का ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर तीन दिवसीय ''मास्टर ट्रेनर्स'' का प्रशिक्षण	03
(C)	अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम	04
(D)	बहु–आपदा जोखिम न्यूनीकरण विषय पर सामुदायिक स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण	06
(E)	पंचायत संसाधन केन्द्र (DPRC) के पदाधिकारियों का "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण	07
(F)	मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (MSSP)	08
(G)	बिहार में गर्म हवाएं/ लू की कार्य योजना (Heat Action Plan) के लिए कार्यशाला	09
(H)	**NDMA** और **BSDMA** द्वारा **Heat Wave** पर राष्ट्रीय कार्यशाला	10
(I)	स्लम टास्क फोर्स के सदस्यों का प्रशिक्षण	10
(J)	बिहार दिवसः आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पेवेलियन में मिली आपदा से बचाव पूरी जानकारी 50 हजार लोगों न प्राधिकरण के पेवेलियन का किया भ्रमण	11
(k)	वज्रपात से बचाव संबंधी मार्गदर्शिका के संदर्भ में माननीय मुख्यमंत्री सह अध्यक्ष बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्षता में हुई बैठक	18
(L)	बिहार राज्य आपदा संसाधन नेटवर्क (**BSDRN**) की समीक्षा	19

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन (मार्च, 2022)

(A) अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों का भूकम्परोधी निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण

दिनांक 31 मार्च 2022 तक राज्य के सभी (38) जिलों के साथ–साथ भूकम्पीय जोन V के 8 जिलों (किशनगंज, अररिया, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा, दरभंगा, मधुबनी एवं सीतामढ़ी) में से दरभंगा एवं मधुबनी को छोड़ बांकी के 6 जिलों में भूकम्परोधी भवन निर्माण तकनीक पर अनुभवी राजमिस्त्रियों के सात दिवसीय प्रशिक्षण का दूसरे बैच का प्रशिक्षण सम्पन्न किया गया।

इस प्रकार दिनांक 31 फरवरी 202कुल 18,905 अनुभवी राजमिस्त्रियों एवं 38 जिलों में (मुख्यालय सहित) कुल 2676 असैनिक अभियंताओं को भवनों के भूकम्परोधी निर्माण एवं रेट्रोफिटिंग तकनीक विषय पर प्रशिक्षित किया जा चुका है। मार्च माह की प्रगति शून्य है।

राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित महत्वपूर्ण सरकारी भवनों का R.V.S. (Rapid Visual Screening) कराने के संबंध में आई.आई.टी., पटना, बिहटा एवं एन.आई.टी. पटना के साथ मिलकर कार्ययोजना तैयार किया गया है।

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के साथ राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण मॉड्यूल पर ऑनलाईन मिटिंग

राजकीय पोलिटेक्निक दरभंगा में निर्माणाधीन भूकम्प सुरक्षा क्लीनिक सह परामर्श केन्द्र के निर्माण का पर्यवेक्षण किया गया।

बिहार भूकम्प दूरमापी तंत्र से सम्बन्धित केन्द्रीय संग्रहण स्टेशन भवन की प्रगति के अनुश्रवण सम्बन्धित कार्य।

बिहार भूकम्प आपदा प्रबंधन मार्गदर्शिका से गठन के संबंध में ड्राफ्टिंग कमिटी के सदस्यों एवं अन्य विशेषज्ञों के साथ समन्वय के कार्य।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(B) जीविका दीदियों का "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर तीन दिवसीय "मास्टर ट्रेनर्स" का प्रशिक्षण

जीविका दीदियों को "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षित किए जाने के उद्देश्य से लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जा रहे है। तीन दीवसीय राज्य स्तरीय "मास्टर ट्रेनर्स" का प्रशिक्षण कार्यक्रम 10–12 अगस्त से आरंभ किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्षेत्रीय समन्वयक, सामुदायिक समन्वयक, जीविकोपार्जन विशेषज्ञ, युवा पेशेवर एवं प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक ने भाग लिया। तीन बैचों में सम्पन्न इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 65 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण लिया। इस प्रकार अब तक दस बैचों के प्रशिक्षण में कुल 251 मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया गया जो इस प्रकार हैः–

क्र0सं0	दिनांक	प्रतिभागी जिला	प्रतिभागियों की संख्या
1	10–12 अगस्त, 2021	पूर्णिया, अररिया, मधेपुरा एवं मधुबनी	27
2.	01–03 सितम्बर, 2021	मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी एवं शिवहर	22
3.	14–16 सितम्बर, 2021	गोपालगंज, प0 चम्पारण, पूर्वी चम्पारण एवं सिवान	28
4.	20–22 अक्टूबर, 2021	भागलपुर, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय एवं कटिहार	31
5	16–18 नवम्बर, 2021	सहरसा, सुपौल एवं किशनगंज	17
6	07–09 दिसम्बर, 2021	लखीसराय, भोजपुर, बक्सर, सारण एवं वैशाली	32
7	21–23 दिसम्बर, 2021	मुंगेर, नालंदा, नवादा, बांका एवं वैशाली	29
8	02–04 मार्च 2022	गया, जहनाबाद एवं अरवल	21
9	14–16 मार्च 2022	कैमूर, औरंगाबाद, रोहतास एवं पटना	21
10	29–31 मार्च 2022	शेखपुरा, पटना, जमुई एवं खगड़िया	23
		कुल	251

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(C) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

'अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत'16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के आधार पर मार्च माह में राज्य के कुल 184 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया जिसमें 21 सरकारी एवं 163 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों का निरीक्षण प्राधिकरण के दिशा निर्देश में अग्नि शाम सेवाएं के अधिकारियों द्वारा किया गया, जिसका विवरण निम्नवत है:–

माह मार्च 2022 में अस्पतालों/नर्सिंग होमस् के भवनों में फायर ऑडिट का ऑकड़ा।

क्र0स0	जिला का नाम	कोविड अस्पताल			नन कोविड अस्पताल		
		सरकारी	निजी अस्पताल	कुल	सरकारी	निजी अस्पताल	कुल
1	पटना	0	0	0	0	9	9
2	नालंदा	0	0	0	0	2	2
3	रोहतास	0	0	0	0	1	1
4	भभुआ	0	0	0	0	0	0
5	भोजपुर	0	0	0	0	0	0
6	बक्सर	0	0	0	0	1	1
7	गया	0	0	0	0	12	12
8	जहानाबाद	0	0	0	0	0	0
9	अरवल	0	0	0	0	4	4
10	नवादा	0	0	0	0	9	9
11	औरंगाबाद	0	0	0	0	5	5
12	छपरा	0	0	0	0	0	0
13	सिवान	0	0	0	0	0	0
14	गोपालगंज	0	0	0	0	0	0
15	मुजफ्फरपुर	0	0	0	0	0	0
16	सीतामढ़ी	0	0	0	0	5	5
17	शिवहर	0	0	0	0	0	0
18	बेतिया	0	0	0	1	4	5
19	बगहा	0	0	0	0	0	0
20	मोतिहारी	0	0	0	0	40	40
21	वैशाली	0	0	0	0	0	0
22	दरभंगा	0	0	0	0	0	0
23	मधुबनी	0	0	0	0	0	0
24	समस्तीपुर	0	0	0	2	15	17
25	सहरसा	0	0	0	0	0	0
26	सुपौल	0	1	1	2	8	10
27	मधेपुरा	0	0	0	0	2	2
28	पूर्णिया	0	0	0	0	0	0
29	अररिया	0	0	0	2	2	4
30	किशनगंज	0	0	0	2	27	29
31	कटिहार	0	0	0	0	0	0
32	भागलपुर	0	0	0	0	6	6
33	नवगछिया	0	0	0	5	1	6
34	बाँका	0	0	0	2	1	3
35	मुंगेर	0	0	0	0	0	0
36	लखीसराय	0	0	0	0	1	1
37	शेखपुरा	0	0	0	0	0	0
38	जमुई	0	0	0	0	1	1
39	खगड़िया	0	0	0	4	5	9
40	बेगुसराय	0	0	0	1	1	2
कुल योग		0	1	1	21	162	183

इस प्रकार राज्य के अब तक कुल 4,235 अस्पतालों का अग्नि प्रवणता सूचकांक के आधार पर निरीक्षण किया जा चुका है।

दिनांक 22.03.2022 से 24.03.2022 तक आयोजित बिहार दिवस के उपलक्ष्य में लोगों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से *'अस्पताल अग्नि सुरक्षा'* पर बने चार मॉडलों का प्रदर्शन किया गया। इन मॉडलों एवं पोस्टरों के माध्यम से आगन्तुकों को राज्य के अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा संबंधी किये जा रहे कार्यों का विवरण दिया गया जिसमें अग्नि से सुरक्षित भवन की डिजाईन, अत्याधुनिक अग्निशमन यंत्रों का अधिष्ठापन एवं त्रिस्तरीय अग्नि सुरक्षा के उपायों पर प्रमुखता से चर्चा की गई। इन यंत्रों में फायर बॉल, फायर एक्सटिंग्यूशर, स्प्रींकलर, फायर स्मोक डिटेक्टर सिस्टम, धुँआ निकासी यंत्र, एलार्म सिस्टम, स्वचालित इमरजेंसी डोर आदि के बारे में लोगों को जानकारी दी गई। लोगों को अस्पताल/भवनों में आग लगने का प्रमुख कारण इलेक्ट्रिक शॉर्ट शर्किट की संभावना को कम करने के लिए वायरिंग एवं इलेक्ट्रिक इक्यूपमेंट/अर्थिंग आदि को दुरूस्त करने की बात कही गई। साथ ही त्रिस्तरीय सुरक्षा के उपायों से अवगत कराया गया।

इस तीन–दिवसीय कार्यक्रम के दौरान इन मॉडलों की सहायता से लगभग 4,000 लोगों को सीधे संवाद के जरिये अस्पताल अग्नि सुरक्षा के बारे में जानकारी दिया गया। आग न लगने देने के उपाय एवं इसे फैलने से रोकने के विभिन्न संयंत्रों के बारे में भी जानकारी दी गयी।

(D) बहु–आपदा जोखिम न्यूनीकरण विषय पर सामुदायिक स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण

बिहार बहु–आपदा प्रवण राज्य है। फलतः यहां विभिन्न प्रकार की आपदाएं आती रहती हैं। इन आपदाओं से बचाव के लिए पंचायतों के चुने हुए नौजवानों को 12 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाता है। पंचायतों के ये नौजवान आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन हेतु जरूरी ज्ञान और हुनर सीख लें तो वे अपने गाँव, पंचायत, प्रखंड एवं जिले को आपदाओं से सुरक्षित रख सकते हैं। इस उद्देश्य हेतु प्रशिक्षण के माध्यम से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राज्य के नौजवानों/नवयुवतियों को प्रशिक्षित कर आपदाओं के प्रत्युत्तर हेतु तैयार कर रहा है ताकि आपदाओं से सुरक्षा प्रदान करने में वे अपने समुदाय के मददगार हो सकें। मार्च माह में दिनांक 28.02.2022 से 11.03.2022 तक जिला प० चम्पारण के कुल 49 स्वयसेवकों को 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया। इस प्रकार मार्च 2022 तक पुर्णिया, मुजफ्फरपुर एवं प० चम्पारण जिले के कुल 339 स्वयसेवकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

(E) पंचायत संसाधन केन्द्र (DPRC) के पदाधिकारियों का "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण

पंचायत संसाधन केन्द्र (DPRC) के पदाधिकारियों का "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 14–15 मार्च 2022 को किया गया। इस प्रशिक्षण में जिला परियोजना प्रबंधक, जिला सामाजिक विकास समन्वयक, जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समन्वयक, जिला पंचायत वित्त समन्वयक, प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक एव प्रखण्ड लेखा प्रबंधक ने भाग लिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि इन प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से पंचायती राज विभाग द्वारा आयोजित प्रखण्डस्तरीय प्रशिक्षण में सभी जनप्रतिनिधियों को जागरूक करना ताकि किसी भी आपदा के समय वे अपने पंचायत को सुरक्षित रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

माह मार्च 2022 तक दो बैचों के प्रशिक्षण में कुल 52 मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया गया जो इस प्रकार हैः–

क्र0सं0	दिनांक	प्रतिभागी जिला	प्रतिभागियों की संख्या
1	23–24 फरवरी, 2022	पटना, वैशाली, भोजपुर एवं नालंदा	25
2	14–15 मार्च, 2022	नवादा, गया, जहानाबाद, सुपौल, किशनगंज, शिवहर, कटिहार, मुंगेर, सिवान, शेखपुरा, औरंगाबाद, मधेपुरा, बांका, सारण, पूर्णिया, अररिया, जमुई, खगड़िया, लखीसराय, सहरसा, बेगूसराय, मुजफ्फरपुर, अरवल, वैशाली, कैमूर, पटना एवं बक्सर	27
		कुल	52

(F) मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (MSSP)

विद्यालयों और स्कूली छात्रों/शिक्षकों की विभिन्न आपदाओं से बचाव हेतु MSSP कार्यक्रम चलाया जा रहा है। **MSSP** के तहत मदरसा शिक्षकों का फोकल शिक्षकों के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 07–08 मार्च, 2022 तक यूथ हॉस्टल, गांधी मैदान, पटना में संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 36 मदरसा शिक्षकों ने भाग लेकर सुरक्षित गुरूवार तथा शनिवार के बारे में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किये। अब तक ऑनलाइन माध्यम से 273 और ऑफलाईन माध्यम से 36 शिक्षकों को प्रशिक्षित हुए है। इस प्रकार अब तक कुल 309 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

मास्टर प्रशिक्षकों का रिफ्रेशर प्रशिक्षण – मास्टर प्रशिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, दो बैचों में क्रमशः 10–11 मार्च एवं 12–13 मार्च को यूनिसेफ के सहयोग से होटल चाणक्य, पटना में सम्पन्न हुआ।

(G) बिहार में गर्म हवाएं/लू की कार्य योजना (Heat Action Plan) के लिए कार्यशाला

बिहार में गर्म हवाएं/लू की कार्य योजना (Heat Action Plan) पर हितधारकों द्वारा योजना के क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति पर चर्चा हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। दिनांक 3 मार्च 2022 को आयोजित कार्यशाला में विभिन्न हितधारक विभाग यथा बिहार अग्निशमन सेवाएं पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण यथा कटिहार, बांका, भागलपुर, रोहतास, गोपालगंज, अरवल, सुपौल, औरंगाबाद, सिवान, जमुई, नवादा, जहानाबाद, शिवहर, मुजफ्फरपुर, मुंगेर, शेखपुरा, बेगूसराय, बक्सर, मधुबनी, सारण, अररिया, समस्तीपुर, भोजपुर, दरभंगा, नवादा, गया, सीतामढ़ी तथा लखीसराय जिलों से प्रतिभागियों ने भाग लिया गया। कार्यशाला में निर्णय लिया गया कि सभी हितभागी गर्म हवाओं/लू से आमजन के बचाव हेतु Heat Action Plan के अनुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे ताकि लोगों को लू एवं गर्म हवाओं जैसी आपदा के समय सुरक्षा की जा सके।

(H) NDMA और BSDMA द्वारा Heat Wave पर राष्ट्रीय कार्यशाला

NDMA और BSDMA द्वारा संयुक्त रूप से 15 मार्च 2022 को ऑनलाइन मोड में Heat Wave विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उदघाटन प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कान्त मिश्र ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने लू से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी साथ ही समय रहते उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। कार्यशाला में देश के विभिन्न हिस्सों से विशेषज्ञों ने भाग लिया और Heat Wave के दौरान इसके उचित प्रबंधन हेतु परामर्श दिया।

कार्यशाला के अंतिम सत्र में लू प्रभावित चार मुख्य राज्यों बिहार, उड़िसा, गुजरात और आंध्र प्रदेश के विशेषज्ञों के द्वारा प्रस्तुतिकरण दिया गया जिसमें लू की घटनाएं तथा उससे बचाव के उपायों के बारे में प्रस्तुतिकरण दिया गया।

(I) स्लम टास्क फोर्स के सदस्यों का प्रशिक्षण

BSDMA और SDRF के द्वारा वर्ल्ड विजन के Slum Task Force के 50 सदस्यों (30 लड़के 20 लड़कियों) का दो दिवसीय प्रशिक्षण 14–15 मार्च, 2022 तक किया गया। आयोजित इस प्रशिक्षण में आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की उन्हें जानकारी दी गई। यह आयोजन होटल जीया ग्रांड, पटना में सम्पन्न हुआ जिसमें उन्हें आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया।

(J) बिहार दिवस : आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पेवेलियन में मिली आपदा प्रबंधन की पूरी जानकारी
50 हजार लोगों ने प्राधिकरण के पेवेलियन का किया भ्रमण

पटना, बिहार दिवस 22–24 मार्च 2022 के अवसर पर गांधी मैदान में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कोरोना की वजह से तीन साल बाद आयोजित बिहार दिवस के पहले दिन यानी 22 मार्च 2022 को सुबह 10 बजे चर्चित समाज सेविका पद्म श्री सुधा वर्गीज ने प्राधिकरण के पेवेलियन का उद्घाटन किया। समारोह में बड़ी संख्या में वंचित समुदाय के बच्चियों द्वारा उद्घाटन के दौरान पुष्प वर्षा करना लोगों के लिए आकर्षण बन गया। बिहार दिवस जैसे महत्वपूर्ण आयोजन में इन बच्चियों का भाग लेना भी इनके लिए उत्साहवर्धन से कम नहीं था। इस अवसर पर प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डा उदय कांत मिश्र, माननीय सदस्य श्री पी0 एन0 राय और माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा एवं सचिव श्री मीनेंद्र कुमार समेत प्राधिकरण परिवार के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। सुश्री वर्गीज द्वारा कार्यक्रम के उद्घाटन होते हीं लोगों की भारी भीड़ प्राधिकरण के पेवेलियन की ओर उमड़ पड़ी। यह जनसमुदाय प्राधिकरण के पेवेलियन के सभी 36 स्टॉलों की ओर आकर्षित हुए जहां एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, रेडक्रॉस, सिविल डिफेंस, यूनीसेफ, केरिटास, युगांतर, भेटनरी कॉलेज, पटना, जेंडर इक्विटी कमिटी, उत्कर्ष, डाक्टर्स फॉर यू समेत अन्य हिततभागियों के स्टॉल आपदा से बचाव के लिए जानकारी दे रहे थे। जनसमुदाय को आपदा प्रबंधन के जानकारी के साथ बचाव संबंधी विभिन्न प्रकार के आईइसी मेटेरियल उपलब्ध कराए गए।

तीन दिनों तक आयोजित बिहार दिवस के दौरान प्राधिकरण के पेवेलियन में लगभग 50 हजार लोगों ने भ्रमण कर आपदा प्रबंधन के संबंध में विभिन्न आयामों की जानकारी और हितभागियों के द्वारा आपदा से बचाव के संबंध में आईइसी मेटेरियल प्राप्त किये। वहीं दूसरे दिन माननीय परिवहन मंत्री शिला कुमारी और राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ0 राजवर्धन आजाद ने प्राधिकरण के पेवेलियन का भ्रमण कर आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में हो रहे कामकाज की जानकारी ली।

माननीय मुख्यमंत्री ने किया प्राधिकरण के पेवेलियन का भ्रमण

बिहार दिवस के पहले दिन यानी 22 मार्च 2022 को अध्यक्ष आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सह माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने प्राधिकरण पेवेलयिन का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने रेडक्रॉस समेत कई स्टॉलों में जाकर आपदा प्रबंधन के लिए राज्य में हितभागियों द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। माननीय मुख्यमंत्री द्वारा प्राधिकरण के पेवेलियन के स्टॉलों के भ्रमण के दौरान माननीय शिक्षा मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, माननीय भवन निर्माण मंत्री, श्री अशोक कुमार चौधरी, माननीय उपाध्यक्ष डा उदय कांत मिश्र, माननीय सदस्य श्री पी0 एन0 राय, माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्य सचिव श्री आमीर सुबहानी, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संजय कुमार, आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव श्री संजय कुमार अग्रवाल समेत कई विभागों के उच्चाधिकारी मौजूद थे।

नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से आपदा प्रबंधन की मिली जानकारी

बिहार दिवस के अवसर पर तीनों दिन लगातार नुक्कड़ नाटकों के मंचन का दौर जारी रहा। मंचन के माध्यम से लोगों को आपदा प्रबंधन की जानकारी दी गई। आकर्षक मंचन और कर्णप्रिय संगीतों की वजह से आमलोगों को आकर्षित करने में नाट्य मंडली सफल रहे। यही वजह थी कि नाटक मंच पर हो अथवा प्राधिकरण पेवेलियन के बाहर हो, दर्शकों की भीड़ जमी रही। कलाकारों ने भी इस अवसर को आपदा से निपटने की जानकारी देने के लिए भरपुर उपयोग किया। उन्होंने अपदा प्रबंधन पर आधारित नाटकों के मंचन से लोगों को अपादाओं में साबधानी बरतने, आपदा पूर्व तैयारी करने, बचाव के उपाय और अन्य जानकारी दिये। नुक्कड़ नाटक का आकर्षण हीं था की गांधी मैदान में जहां–तहां बैठे लोग नुक्कड़ नाटक की गुंज के साथ ही आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पेवेलियन की ओर चले आते थे। कलाकारों के द्वारा तीनों दिन मंच और मंच से बाहर प्रतिदिन एक दर्जन से अधिक नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया। नुक्कड़ नाटक करने वाले टीमों में निर्माण कला मंच, प्रेरणा, आपसदारी कला मंच, दोस्ताना सफर, प्रहरी, सर्वमंगला सांस्कृतिक मंच समेत अन्य टीम शामिल थे।

विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा मूक–बधिर बच्चों के नाटक

बिहार दिवस के मौके पर जेएम इन्स्टीच्यूट के मूक–बधिर बच्चों के नाटक सबों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा दो दर्जन से अधिक ऐसे बच्चे जो बोलने और सुनने में पूरी तरह अक्षम थे ने अपने अद्भुत अभिनय से अपने और अपनो को आपदा से कैसे बचायें का संदेश दिया। लगातार तीन दिनों तक चले मंचन में इनके प्रदर्शन को खुब सराहा गया। बच्चे ऐसी प्रस्तुती दे रहे थे मानो दर्शकों को आपदा से बचाव के लिए सीधे वार्ता कर रहे हों। इन बच्चों में भी इस नाटक के मंचन और लोगों द्वारा सराहना की भावना को समझ रोमांचित हो रहे थे। शायद ऐसे बच्चों के लिए यह सार्वजनिक रूप से आयोजित पहला कार्यक्रम हो। ये बच्चे अपने साथियों और पहचान के लोगों को दोनों अंगुठा 'अप' कर दिखा रहे थे यानी वे अपनी अभिनय में जीत का संकेत दे रहे थे। इस नाटक के निर्देशक चर्चित नाट्यकर्मी श्रीमती नवनीत शर्मा और श्रीमती दिब्या शर्मा थे।

माननीय उपमुख्यमंत्री –सह– आपदा प्रबंधन मंत्री ने समापन समारोह को संबोधित किया

कोरोना के दौरान प्राधिकरण ने किया बेहतरीन कामः मंत्री

बिहार दिवस के तीसरे और अंतिम दिन माननीय उपमुख्यमंत्री –सह– आपदा प्रबंधन मंत्री श्रीमती रेणु कुमारी ने समापन समारोह को संबोधित किया। इसके पूर्व उन्होंने जेंडर इक्वियूटी कमिटी और मूक–बधिर बच्चों के नाटक को भी देखा। समापन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कोरोना जैसे आपदा के दौरान भी आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में बेहतरीन काम किया। आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में प्राधिकरण और आपदा प्रबंधन विभाग के कामकाज की प्रशंसा करते हुए उन्होंने आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों–कर्मियों को बधाई दी।

डूबने की घटनाओं एवं ठनका से बचाव के लिए चला जन–जागरूकता अभियान

बिहार दिवस के अवसर पर नदियों, तालाबों, गड्ढ़ों में डूबने की घटनाओं के रोकथाम एवं ठनका के बचाव के उद्देश्य से डिमोन्सट्रेशन, परिचर्चा एवं प्रचार–प्रसार सामग्रियों का वितरण कर आम जनमानस का संवेदीकरण किया गया। ठनका से बचने के लिए पूर्णिया के वालेटियरों द्वारा प्रदर्शित जुगाड़ संसाधन को लोगों ने बहुत सराहा। वहीं स्टॉल पर भ्रमण करने वाले महिलाओं, पुरूषों एवं बच्चों को खतरनाक घाटों के किनारों पर न जाने और न ही बच्चों को जाने देने, बच्चों को नदी/तालाबों/तेज पानी के बहाव में स्नान करने से रोकने आदि की जानकारी दी गई।

सड़क सुरक्षा–जीवन रक्षा विषय पर भी चला जागरूकता अभियान

I. बिहार दिवस के अवसर पर कम्युनिटी ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से सड़क सुरक्षा हेतु आवश्यक यातायात चिन्हों एवं उपायों की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से पेवेलियन में ट्रैफिक पार्क का अधिष्ठापन किया गया। सड़क दुघर्टनाओं के विभिन्न कारणों के बारे में पार्क के अंदर फ्लैक्स के माध्यम प्रदर्शित किया गया था। इस पार्क के अंदर जेब्रा क्रॉसिंग, ट्रैफिक लाईट को दर्शाया गया था। ट्रैफिक पार्क में Driving Simulator, Air Craft Models का प्रदर्शन भी किया गया था। पार्क के अंदर स्वास्थ्य जाँच शिविर एवं AIIMS, Patna के द्वारा सड़क दुर्घटनाओं के दौरान घायल व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार दिए जाने की विधियों का डिमोन्सट्रेशन आदि किया गया। वहीं भूकम्परोधी भवनों के मॉडल तैयार कर पुराने/कमजोर भवनों का रेट्रोफिटिंग, की जानकारी एवं इसका प्रदर्शन किया गया। बांस का आपदारोधी मकान कैसे बनाएँ, शेक टेबल के माध्यम से भूकम्प के दौरान भवनों पर प्रभाव का प्रदर्शन, आपदा जोखिम न्यूनीकरण को समझाने हेतु टेबल गेम के माध्यम से लोगों में जागरूकता, जोखिम, संवेदनशीलता एवं क्षमता के पारस्परिक संबंधों की चर्चा की गई। पटना स्थित पोलिटेक्निक संस्थानों के छात्रों को भूकम्परोधी निर्माण एवं रेट्रोफिटिंग तकनीक की सुसंगत जानकारी दी गई।

बिहार दिवस के हितभागी संगठन और प्राधिकरण के 36 स्टॉल

बिहार दिवस के अवसर पर लगातार तीन दिनों तक प्राधिकरण के हितभागी संगठनों के द्वारा लगातार आपदा प्रबंधन से संबंधित जानकारी आमलोगों को दिया। आपदा प्रबंधन के लिए सटिक जानकारी मिलने के कारण तीनों दिन आम लोगों की भीड़ इन स्टॉलों पर बनी रही। प्राधिकरण के दो और स्टॉल को छोड़ दे तो सभी अन्य स्टॉल पर लोगों को आपदा प्रबंधन की जानकारी दी गई। यानि 34 स्टॉलों पर लोगों ने तीन दिनों तक आपदा से बचाव की जानकारी प्राप्त किया।

स्टॉलों और संबंधित संस्थाओं द्वारा किए गए कार्यो का ब्यौरा इस प्रकार हैः–

स्टॉल नं0	संस्थाएं	कार्य
1	**रेडक्रॉस**	**स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं परीक्षण**
2	भूकम्परोधी भवनों के मॉडल 1, 2 और 3	भूम्परोधी भवन निर्माण संबंधी जानकारी
3	भूकम्परोधी भवनों के मॉडल 1, 2 और 3	भूम्परोधी भवन निर्माण संबंधी जानकारी
4	भूकम्परोधी भवनों के मॉडल 1, 2 और 3	भूम्परोधी भवन निर्माण संबंधी जानकारी
5	शेक टेबल मेशन ट्रेनिंग, बी.एस.टी.एन एवं भूकम्प सुरक्षा क्लिनिक	भूम्परोधी भवनों के निर्माण संबंधी जानकारी एवं प्रदर्शन
6	स्टेट डिजास्टर प्रोफाइल एवं क्षति का आकलन	आपदा जोखिम के आकलन संबंधी जानकारी
7	सीड्स	लू–गर्म हवाएं संबंधी जानकारी
8	एस.डी.आर.एफ	विभिन्न आपदाओं के प्रबंधन की जानकारी
9	एस.डी.आर.एफ	विभिन्न आपदाओं के प्रबंधन की जानकारी
10	एस.डी.आर.एफ	विभिन्न आपदाओं के प्रबंधन की जानकारी
11	बिहार भेटनरी कॉलेज	पशुओं में टीकाकरण एवं रोगों से बचाव की जानकारी
12	एन.डी.आर.एफ	विभिन्न आपदाओं में बचाव संबंधी उपकरणों का प्रदर्शन एवं जानकारी
13	एन.डी.आर.एफ	विभिन्न आपदाओं में बचाव संबंधी उपकरणों का प्रदर्शन एवं जानकारी

14	एन.डी.आर.एफ	विभिन्न आपदाओं में बचाव संबंधी उपकरणों का प्रदर्शन एवं जानकारी
15	एन.डी.आर.एफ	विभिन्न आपदाओं में बचाव संबंधी उपकरणों का प्रदर्शन एवं जानकारी
16	बी.एस.डी.एम.ए. कैम्प ऑफिस	बिहार दिवस के आयोजनों की निगरानी केन्द्र
17	फूड प्वाइंट	दर्शकों के लिए खाद्य सामग्री केन्द्र
18 A	क्लॉक रूम	आवश्यक सामग्रियों को सुरक्षित रखने का केन्द्र
18 B	कैरीटॉस	बाढ़ प्रबंधन एवं बचाव की जानकारी
19	बी.एस.डी.एम.ए.	डूबने एवं वज्रपात से बचाव संबंधी जानकारी एवं प्रदर्शन
20	वर्ल्ड विजन	आपदाओं से बचाव संबंधी खेल प्रतियोगिता एवं बाढ़ प्रबंधन की जानकारी
21	जी.पी.एस.भी.एस	जल जीवन हरियाली संबंधी जानकारी
22	होमगार्ड एवं फॉयर सर्विसेज	अग्नि सुरक्षा संबंधी जानकारी एवं प्रदर्शन
23	होमगार्ड एवं फॉयर सर्विसेज	अग्नि सुरक्षा संबंधी जानकारी एवं प्रदर्शन
24	होमगार्ड एवं फॉयर सर्विसेज	अग्नि सुरक्षा संबंधी जानकारी एवं प्रदर्शन
25	बी.एस.डी.एम.ए.	अस्पताल अग्नि सुरक्षा संबंधी मॉडल का प्रदर्शन
26	जेण्डर इक्विटी कमिटी	महिला सशक्तिकरण संबंधी जानकारी
27	सिविल डिफेंस	उँचे भवनों से रेस्क्यू संबंधी विभिन्न प्रकार के बचाव संबंधी जानकारी
28	सिविल डिफेंस	उँचे भवनों से रेस्क्यू संबंधी विभिन्न प्रकार की जानकारी
29	सेव द चिल्ड्रेन	पेंटिंग प्रतियोगिता एवं अन्य गतिविधियों के द्वारा बच्चों को आपदा प्रबंधन संबंधी जानकारी
30	सेव द चिल्ड्रेन	पेंटिंग प्रतियोगिता एवं अन्य गतिविधियों के द्वारा बच्चों को आपदा प्रबंधन संबंधी जानकारी

31	यूनिसेफ	मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के विभिन्न आयामों की जानकारी
32	युगान्तर	बाढ़ पूर्व चेतावनी संबंधी एवं महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी
33	कम्युनिटी पुलिस	ट्रैफिक पार्क द्वारा सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारी एवं स्वास्थ्य कैम्प में जांच आदि
34	फूड प्वाइंट	दर्शकों के लिए खाद्य सामग्री का केन्द्र
35	डॉक्टर्स फॉर यू	स्वास्थ्य के बारे में जानकारी एवं जांच की सुविधा
36 A	उत्कर्ष	स्वास्थ्य जांच शिविर एवं सलाह
36B	फीडबैक	बी.एस.डी.एम.ए. के पैवेलियन के बारे में दर्शकों की राय एवं सलाह प्राप्त करने का केन्द्र।

(K) वज्रपात से बचाव संबंधी मार्गदर्शिका के संदर्भ में माननीय मुख्यमंत्री सह अध्यक्ष बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्षता में हुई बैठक

वज्रपात से बचाव संबंधी मार्गदर्शिका के संदर्भ में माननीय मुख्यमंत्री –सह– अध्यक्ष बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। 24 मार्च 2022 को आयोजित इस बैठक में वज्रपात से होने वाली मौत को कम से कम करने के लिए विमर्श किया गया। बैठक में प्राप्त आंकडों के अनुसार 2020 में 443 एव 2021 में 276 लोगों की मृत्यु हुयी है। इन घटनाओं के सबंध में वर्ष 2020 एव 2021 में एक प्राथमिक अध्ययन के निष्कर्ष पर चर्चा हुई। इसमें बताया गया कि शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में वज्रपात से होने वाली मृत्यु अधिक है। वज्रपात के कारण मृत्यु मानसून के पूर्व एवं बाद में भी हो रही है। वहीं कृषि/ पशुपालन की गतिविधियों से जुडें लोग अधिक प्रभावित हुए हैं। बताया गया कि वज्रपात की घटनाओं लोगों और पशुओं की जानें चली जाती हैं, जो जीवित बच जाते हैं वो अपंग भी हो जाते हैं, जैसे– आँखों की रोशनी का खत्म होना सुनने की क्षमता समाप्त या कम हो जाना यादि।

अत: इन घट्नाओं की रोकथाम हेतु विभिन्न संस्थाओं एवं विभागों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों तथा उत्तरदायित्व संबंधी क्रियान्वयन हेतु मार्गदर्शिका माननीय अध्यक्ष के अवलोकन के लिये प्रस्तुति के माध्यम से दिनांक 24/03/2022 को बैठक में प्रस्तुत किया गया। इस संदर्भ में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा दिशा निर्देश दिये गये जो इस निम्नवत है:–

- आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी ढंग से राहत एवं बचाव कार्यों के सचालन के लिए स्थायी तौर पर कार्य करें।
- एस0डी0आर0एफ0 में कर्मियों की संख्या और बढ़ाएं तथा उनका बेहतर प्रशिक्षण कराएं।
- प्रभावित क्षेत्रों के आकलन के आधार पर स्थल चयन कर रिस्पांस फैसिलिटी कम ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना करें।
- वज्रपात से होनेवाली क्षति को कम करने के लिए कार्य करें।
- वज्रपात से सुरक्षा हेतु लोगों को जागरूकत करने के लिए व्यापक प्रचार–प्रसार कराएं।
- उन्नयन बिहार के पाठयक्रम में वज्रपात से सुरक्षा संबंधित जानकारी को भी शामिल करें।

(L) बिहार राज्य आपदा संसाधन नेटर्वक (BSDRN) की समीक्षा

राज्य में BSDRN पोर्टल पर सारे जिलों के द्वारा संसाधनों की इलेक्ट्रॉनिक इन्वेंटरी तैयार की जा रही है ताकि विभिन्न आपदाओं के दौरान विभिन्न संसाधनों की उपलब्धता की जानकारी आसानी से विभिन्न आपदाओं के समय आसानी से प्राप्त हो सके। संसाधन कहां उपलब्ध हैं तथा उसे कैसे प्राप्त किया जाए संबंधी संपर्क फोन नम्बर इत्यादि की विवरणी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त होती है।

दिनांक 08 मार्च, 2022 को गया जिले और दिनांक 29 मार्च, 2022 को सीतामढ़ी जिले की समीक्षात्मक बैठक प्राधिकरण के सभागार में हुई। प्राधिकरण के सभागार में हुई समीक्षात्मक बैठक की अध्यक्षता माननीय सदस्य श्री पी.एन.राय ने की बैठक में गया जिला से श्री दीपक कुमार और सीतामढ़ी जिला से श्रीमती सुप्रिया, जिला कल्सटेंट ने भाग लिया। दोनों जिलों को पोर्टल के लगातार अद्यतन हेतु उचित निदेश दिया गया।